भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 330

दिनांक 04 फरवरी, 2025/ 15 माघ, 1946 (शक) को उत्तर के लिए

महिला जेल

+330. श्रीमती रचना बनर्जी:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राज्यवार कितनी महिला जेल हैं;

(ख) क्या देश की जेलों में बड़ी संख्या में महिला कैदी अपने बच्चों के साथ रह रही हैं और जेलों में बंद बच्चों के लिए अपनी माताओं के साथ उचित आहार, शिक्षा और खेलने के लिए स्थान के मुद्दे पर शायद ही कभी ध्यान दिया जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या महिला कैदियों के लिए जेलों में पर्याप्त स्थान की कमी बच्चों के साथ रहने वाली इन महिला कैदियों की कुशलता के बारे में भी प्रश्न खड़े करती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या जेलों में माताओं के साथ रहने वाले बच्चों के लिए कोई औपचारिक शिक्षा प्रणाली नहीं है; और

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार की जेलों में अपनी मां के साथ रह रहे बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्रदान करने की कोई योजना है?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री बंडी संजय कुमार)

(क): राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उसे सूचित किए गए कारागार संबंधी आंकड़ों को संकलित करता है और इन्हें अपने वार्षिक प्रकाशन "प्रिजन स्टैटिस्टिक्स इंडिया" में प्रकाशित करता है। नवीनतम प्रकाशित रिपोर्ट वर्ष 2022 की है। दिनांक 31.12.2022 की स्थिति के अनुसार, देश में महिला जेलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(ख) और (ग): भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-11 की प्रविष्टि 4 के तहत 'कारागार'/'उनके भीतर बंद व्यक्ति' "राज्य सूची" का विषय है। इसलिए, कारागारों और कैदियों का प्रशासन और प्रबंधन संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के विशिष्ट क्षेत्राधिकार में आता है, जो जेलों में महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों के कल्याण हेतु उपयुक्त उपाय करने के लिए सक्षम हैं। हालाँकि, गृह मंत्रालय अपनी ओर से, समय-समय पर, राज्य सरकारों को उपयुक्त दिशा-निर्देश प्रदान करके कुशल कारागार प्रशासन में उनके प्रयासों में सहायता प्रदान करता है। गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को एक एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, यह भी कहा गया कि महिला कैदियों के साथ जेल में रहने वाले उनके बच्चों को शिक्षा, मनोरंजन की सुविधाएं, भोजन, आवास और चिकित्सा सहायता आदि उपलब्ध कराई जानी चाहिए। गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को परिचालित किए गए "मॉडल कारागार मैनुअल 2016" में "महिला कैदियों" पर एक विशिष्ट अध्याय निहित है, जो अन्य बातों के साथ-साथ जेलों में महिला कैदियों के साथ रह रहे उनके बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता आदि पर मार्गदर्शन प्रदान करता है। मैनुअल में प्रावधान है कि कारागार प्रशासन जेलों में महिला कैदियों के साथ रह रहे उनके बच्चों का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित करें। गृह मंत्रालय ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा तैयार की गई 'कारागारों में महिलाएं' शीर्षक वाली एक रिपोर्ट भी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परिचालित की थी। रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ महिला कैदियों और उनके बच्चों के लिए 'महिला कैदियों के बच्चे' और 'रहन-सहन की बेहतर व्यवस्था' आदि पर सिफारिशें शामिल हैं।

(घ) और (ङ): मॉडल कारागार मैनुअल, 2016 यह प्रावधान करता है कि सिर्फ छह वर्ष की आयु तक का ही बच्चा मां के साथ जेल में रह सकता है। राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन कारागारों में महिला कैदियों के साथ रह रहे उनके बच्चों को औपचारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए उपयुक्त कदम उठाने के लिए सक्षम हैं। मॉडल कारागार मैनुअल में यह भी प्रावधान है कि कारागार में महिला कैदियों के साथ रह रहे उनके बच्चों को उचित शिक्षा और मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे और महिलाओं के लिए कारागार से जुड़ा हुआ एक क्रेच और एक नर्सरी स्कूल होगा, जहां महिला कैदियों के बच्चों की देखभाल की जाएगी।

दिनांक 31.12.2022 की स्थिति के अनुसार देश में महिला जेलों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	विशेष महिला जेलों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	2
2	अरुणाचल प्रदेश	0
3	असम	0
4	बिहार	2
5	छत्तीसगढ़	0
6	गोवा	0
7	गुजरात	2
8	हरियाणा	0
9	हिमाचल प्रदेश	0
10	झारखंड	0
11	कर्नाटक	1
12	केरल	3
13	मध्य प्रदेश	0
14	महाराष्ट्र	1
15	मणिपुर	0
16	मेघालय	0
17	मिजोरम	1
18	नागालैंड	0
19	ओडिशा	1
20	पंजाब	2
21	राजस्थान	7
22	सिक्किम	0
23	तमिलनाडु	5
24	तेलंगाना	1
25	त्रिपुरा	1
26	उत्तर प्रदेश	2
27	उत्तराखंड	0
28	पश्चिम बंगाल	1
29	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	0
30	चंडीगढ़	0
31	दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव	0
32	दिल्ली	2
33	जम्मू और कश्मीर	0
34	लद्दाख	0
35	लक्षद्वीप	0
36	पुदुचेरी	0
	कुल	34